अंचल अधिकारी का कार्यालय, धनबाद।

संदिग्ध/अवैध जमाबदी रद्द अभिलेख सं0 42 /2018-19
बिहार (झारखंड) भूमि सुधार अधि0 1950 की धारा 4(h के तहत जॉच एंव कार्रवाई से संबधित।

दिनांक	आदेश फलक	अभियुक्ति
13/3/19	झारखंड सरकार के ज्ञापांक–2074/रा0 दिनांक–13.05.2016 सहपठित–श्री अनुज मुखर्जी निर्देशक, भू–अर्जन–सह–विशेष सचिव राजस्व एंव भूमि सुधार विभाग का पत्र संख्या–3–खा0 म0 निति–119/85/2308/रा0 दिनाक 03.09.1985 एंव सह–पठित राजस्व विभागीय, परिपत्र संख्या–914/रा0 दिनाक 09.12.1998 मे निहित निर्देश के अनुपालन मे गैरमजरूआ खास भूमि की कायम की गयी जमाबदियो की जॉच प्रारंभ की गयी। जाच के कम मे हल्का राजस्व उपनिरिक्षक (राजस्व कर्मचारी) के द्वारा प्रतिवेदित किया गया विवरणी निम्नवत है– मौजा–अमाघाटा मौजा न0–09 खाता न0 28 प्लॉट न0 138 रकवा 05 कटठा की भूमि जो गैरमजरूआ खास, अनाबाद बिहार(झारखड) सरकार के खाते की सरकारी भूमि है जिसकी जमाबदी उस मौजा के पजी–।। के जिल्द संख्या 02 के पृष्ठ संख्या 243 पर जमाबदी रैयत श्री/श्रीमति रजीत विश्वकर्मा के नाम से कायम है। हल्का राजस्व उपनिरिक्षक(राजस्व कर्मचारी) के द्वारा जाचोपरात उपर्युक्त विवरणी की भूमि के विरूद्व कायम जमाबदी को सदिग्ध प्रतिवेदित किया गया है। जॉच प्रतिवेदन से प्रतित होता है कि उपर्युक्त जमाबदी किना सक्षम प्राधिकार के आदेश के/अवैध बंदोबस्ती के आधार पर/अवैध कोडकर बदोबस्ती के आधार पर/ अवैध लगान निर्धारण के आधार पर/सादा हुकुमनामा के आधार पर कायम की गयी है जिसका उदेश्य निजि लाभ एव राज्य को क्षति कारित करना है। प्रथम दृष्टया उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन की सृजित जमाबदी अवैध प्रतीत होती है, जिसका बिहार (झारखड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत जॉच किया जाना वांछनीय प्रतीत होता है। अत– उपरोक्त जॉच प्रतिवेदन पर अचल–निरिक्षक का मंतव्य प्राप्त करे। अभिलेख दिनाक 27/3/19 को रखे। 13-3-19 अचल अधिकारी, धनबाद।	

अभिलेख उपस्थापित। अंचल निरीक्षक से मंतव्य / प्रतिवेदन अप्राप्त है। अभिलेख दिनांक 10/4/19 को रखे।

अंचल अधिकारी
धनबाद।

10/4/19 अभिलेख उपास्थिपित। अधोहस्ताक्षरी निर्वाचन कार्य मे व्यस्त रहने के कारण अभिलेख की सुनवाई नहीं हो सका।
अभिलेख दिनांक 24/5/19 को रखे।

अंचल अधिकारी
धनबाद।

10/6/20 अभिलेख उपस्थापित। अंचल निरीक्षक का प्रतिवेदन मंतव्य सहित प्राप्त। प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक मे विपक्षी को नोटिस निर्गत करे। अभिलेख दिनांक 20/6/20 को रखें।

अंचल अधिकारी
धनबाद।

20/6/20 अभिलेख उपस्थपित। अभिलेख के अवलोकनोपरान्त पाया कि मौजा झरनाबाद मौजा न0 09 खाता 78 , प्लाट न0 138 , रकवा 05 डी0 भूमि से सवधित है। आवेदित भूमि गत सर्वे खतियान के अनुसार गैरआवाद खाते की भूमि है। जमाबंदी रैयत के खोज बीन के उपरान्त पता नही चल सका, जिसके कारण बिना नोटिस का तामिला प्रतिवेदन प्राप्त है (सुलभ प्रसग हेतु नोटिस की प्रति सलग्न)। आवेदित भूमि दाखिल खारिज केस न0 1052 (II) 94-95 के अनुसार कायम है। तत्कालीन अंचल अधिकारी , धनबाद द्वारा उक्त पजी को सदेहास्पद माना गया है। जिसे सवधित उप निरीक्षक एव अंचल निरीक्षक ने उक्त जमाबंदी को रद्द हेतु प्रस्ताव प्रतिवेदन अनुशसा सहित समर्पित किया

अत जॉच प्रतिवेदन के आलोक मे जमाबंदी रद्द हेतु अभिलेख भूमि सुधार उपसमाहर्ता धनबाद को भेजे।

लेखापित एव संशोधत।

20.6.20
अंचल अधिकारी,
धनबाद।

20.6.20
अंचल अधिकारी,
धनबाद।

Scanned by CamScanner